मन मंदिर में गूंज रहा है जयकारा राम का | By Krishna Gopak Vashishth |

हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम
हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम

मन मंदिर में गूंज रहा है
आज तेरा जयकारा राम

हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम
हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम

धर्ती अम्बर गूंजे भगवान
पर्वत सागर गूंजे हैं
गूंजी है प्रभु सभी दिशाएँ
लोक चराचर गूंजे हैं
तेरी धुन पर सब कुछ गूंजे
गूँज रहा है विश्व तमाम
मन मंदिर में गूंज रहा है
आज तेरा जयकारा राम

हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम
हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम

कण कण में है राम की मस्ती
रोम रोम हरशाया है
नाचो नाचो रे मन मेरे
साजन धन बरसाया है
लूट लो जितना लूटा जाए
अपना कौड़ी न लगे दाम
मन मंदिर में गूंज रहा है
आज तेरा जयकारा राम

हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम
हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम

जा पर तुम रिज़हो मोरे सतगुरु
वहाँ पर सब कोई रिज़हे
नित नित ऐ निरदोष निदान हो
ऐसा सा धन कीजिए
पल दो पल का संगम चाहे
सन्मुख बैठूं आठों याम
मन मंदिर में गूंज रहा है
आज तेरा जयकारा राम

हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम
हरे राम हरे राम हरे राम हरे राम

मन मंदिर में गूंज रहा है
आज तेरा जयकारा राम

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%97%e0%a5%82%e0%a4%82%e0%a4%9c-%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%9c%e0%a4%af/